श्रद्धा

गतिविधियों की रूपरेखा

हिंदी

प्रिय अध्यापक बंधुओ...

गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित करने में केरल सरकार और शिक्षा विभाग विशेष तत्परता दिखाते हैं। भाषाई दक्षताओं में अधिकार पाना प्रत्येक छात्र का हक है। इसके लिए कुछ छात्रों को अधिक सहायता की आवश्यकता है। वैयक्तिक ध्यान देने से अन्य छात्रों के समान वे भी आगे आएँगे। इसके लिए 'श्रद्धा' नामक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में कुछ गतिविधियाँ सुझाई गई हैं। 17 सत्रों में ये गतिविधियाँ बँटी गई हैं। कुछ सत्र तो दसवीं की पाठ्यसामग्रियों से संबंध तो रखते हैं, लेकिन ये सामान्य रूप से माध्यमिक स्तर के सभी छात्रों के लिए उपयोगी हैं। आशा है, इन गतिविधियों को आप पूरी तैयारी के साथ अमल में लाएँगे और छात्रों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाकर उन्हें भाषाई दक्षता प्राप्त करने में मदद देंगे।

सामान्य निर्देश

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में हिंदी भाषार्जन के लिए सहायक 17 सरल गतिविधियाँ यहाँ दी गई हैं। इनमें से 12 से 17 तक की गतिविधियाँ दसवीं कक्षा के पाठभाग से संबंधित हैं। लेकिन आठवीं एवं नवीं कक्षाओं के छात्रों को भी लाभदायक होने के लिए ये गतिविधियाँ स्वतंत्र रूप से तैयार की गई हैं।

❖ कक्षा का स्तर, परिवेश आदि मानकर उनमें से आवश्यक गतिविधियों का प्रयोग करें।
❖ साधारण कालांश के साथ या सुविधा के अनुसार अन्य समय में यह कार्य कर सकते हैं।
❖ विद्‌यालय संसाधन संघ में इसकी चर्चा करके आवश्यक पूर्व तैयारियाँ करना अच्छा होगा।
❖ ज़रूरतमंद छात्रों को अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे छात्रों को यहाँ दी गई गतिविधियाँ उसी क्रम में करना ज़्यादा लाभदायक होगा। अन्य बच्चों को भी अपनी भाषाई दक्षता के विकास के लिए ये सहायक हैं। इसलिए सभी छात्रों को शामिल करना उचित है।
❖ ऐ.सी.टी की संभावनाएँ गतिविधियों में हैं। इसके लिए आवश्यक पूर्व तैयारियों की ज़रूरत है।

मुख्य दक्षताएँ

- ❖ भाषा सुनकर ग्रहण करने की क्षमता का विकास होता है।
- ❖ आशय स्पष्ट रूप से हिंदी में प्रकट कर सकते हैं।
- ❖ अर्थग्रहण करके आसानी से पढ़ सकते हैं।
- ❖ लेखन कार्य में सक्षम बन जाते हैं।
- ❖ रचनात्मक साहित्यिक गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।

अनुक्रम

सत्र	गतिविधि	पृष्ठसंख्या
1.	देवनागरी वर्ण	7-8
2.	शब्दों का परिचय	9
3.	बोलना	10
4.	सामान्य वर्तमानकाल	11-14
5.	वाक्य रचना	15
6.	शब्द क्षमता	16-17
7.	विशेषण	18
8.	संबंध पहचानें	19
9.	सामान्य भूतकाल	20-21
10.	वाचन	22-25
11.	सामान्य भविष्यतकाल	26-28
12.	बीरबहूटी	29-31
13.	सबसे बड़ा शो मैन	32-33
14.	ठाकुर का कुआँ	34-36
15.	यात्रा-वर्णन	37-38
16.	बच्चे काम पर जा रहे है	39-40
17.	गुठली तो पराई है	41-43

सत्र - 1

सामग्री : स्लाईड / चार्ट

प्रक्रियाएँ :

- अनौपचारिक संवाद के द्‌वारा कक्षा में एक खेल का माहौल बनाती है।
- अध्यापिका कहती है–

  हम एक खेल खेलने जा रहे हैं। पहले हम दो दल बनेंगे। एक दल दाएँ और दूसरा बाएँ बैठेगा। मैं एक फिल्म अभिनेता या अभिनेत्री का नाम बताऊँगी और श्यामपट पर लिखूँगी। आप उस नाम के दूसरे वर्ण से शुरू होनेवाला और एक नाम बताएँगे। उसके बाद दूसरे दलवाले उस नाम के दूसरे वर्ण से शूरू होनेवाला नाम बताएगा। इस प्रकार यह खेल ज़ारी रहेगा। ज्यादा स्कोर पानेवालों को इनाम मिलेगा। (एक सिक्का उछालकर पहला नाम बतानेवालों की बारी का चयन कर सकते हैं।)
- खेल के संचालन के लिए छात्रों के दो दल बनाती है।
- दलों को कक्षा में दाएँ-बाएँ बिठाती है।
- अध्यापिका किसी अभिनेता का नाम बताती है या किसी दल को मौका देती है।
- बताए गए नाम को श्यामपट पर लिखती है। (लिखते समय ध्यान रखें– देवनागरी वर्ण का स्ट्रॉक समझाने लायक धीमी गति में लिखें। प्रत्येक वर्ण का उच्चारण ज़ोर से समझाते हुए लिखें। जैसे, 'अमिताभ बच्चन' लिखते समय धीरे से अ...मि..ता..भ ब...च्च...न कहते हुए लिखें ताकि छात्र प्रत्येक वर्ण का ग्राफ़ स्वाभाविकता के साथ समझ पाएँ।)
- खेल ज़ारी रखती है।
- प्रत्येक दल अपनी बारी में अलग-अलग नाम बताता है।
- अध्यापिका इस बात पर ध्यान रखती है कि वर्णमाला के सभी वर्णों और स्वर चिह्नों को अधिक से अधिक देखने-समझने का मौका छात्रों को मिलें।
- अभिनेता या अभिनेत्रियों के बाद फुटबॉल के खिलाड़ी, क्रिकेट के खिलाड़ी जैसे छात्रों की तत्परता के क्षेत्र के नाम से खेल ज़ारी रखती है।
- प्रत्येक दल को मिले स्कोर दर्ज करती है।
- ज्यादा स्कोर पानेवालों को इनाम देती है।
- अपने-अपने परिवारवालों के नाम लिखकर आने का अनुबद्‌ध कार्य छात्रों को देती है।
- आगे इस गीत की पंक्तियाँ स्लाईड / चार्ट में प्रस्तुत करती है। (इसकी ऑडियो का भी इस्तेमाल कर सकती है)–

सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ताँ हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी, यह गुलसिताँ हमारा
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा
गोदी में खेलती है, जिसकी हज़ारों नदियाँ
गुलशन है जिसके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्ताँ हमारा
सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ताँ हमारा
हम बुलबुलें हैं इसकी, यह गुलसिताँ हमारा

- अध्यापिका छात्रों के साथ मिलकर गाती है। (गाते समय अध्यापिका एक पोयिंटर या छड़ी से पंक्तियों को दिखाती रहती है। गायन तब तक ज़ारी रखती है, जब तक छात्र पंक्तियों से बहुत परिचित हो जाएँ)
- आगे एक-एक छात्र को सामने बुलाती है, गीत की किसी पंक्ति दिखाने को कहती है। (याद रखें, पंक्ति क्रम से नहीं, इधर-उधर से पढ़ सुनाएँ)
- यह प्रक्रिया कुछ समय ज़ारी रखती है।
- आगे किसी शब्द बताती है और किसी छात्र से वह शब्द दिखाने को कहती है।
- शब्द बताने की यह प्रक्रिया भी कुछ समय चलाती रहती है।
- फिर अध्यापिका वर्णों की ओर आती है। अध्यापिका से कहे गए वर्ण छात्र दिखाते हैं।
- इस प्रकार देवनागरी वर्णों का आरेख, उच्चारण, स्वर चिह्न आदि का पुनरनुभव अध्यापिका प्रदान करती है।

❖

सत्र - 2

सामग्री : चार्ट / स्लाईड

सामग्री : चार्ट, चित्र

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका 'मच्छर' शब्द श्यामपट पर लिखती है।
- चाहें तो चित्र भी दिखाती है।
- प्रश्न करती है–

  → मच्छर को देखा है?

  → कहाँ देखा है?

  → मच्छर को देखने पर हम क्या करेंगे?
- छात्रों की प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- कहती है–

  बच्चो, हम मच्छर-खेल खेलें।
- अध्यापिका ऊपर, नीचे, आगे, पीछे, इधर, उधर कहके शब्द के अनुरूप (दिशा के इशारा से) एक-एक बार तालियाँ बजाती है।
- छात्रों को भी उसी दिशा में हाथ बढ़ाते हुए ताली बाजाने का निर्देश देती है।
- अध्यापिका ताली बजाते हुए गाती है–

मच्छर आगे मारो हाथ
मच्छर पीछे मारो हाथ
मच्छर ऊपर मारो हाथ
मच्छर नीचे मारो हाथ
इधर मच्छर उधर मच्छर
मारो मारो मच्छर मारो

- अध्यापिका पंक्तियाँ दोहराती है।
- इसके साथ छात्र भी गाते हैं और तालियाँ बजाते हैं।
- आगे अध्यापिका इशारा मात्र करती है, छात्र गाते हुए ताली बजाते हैं।

❖

सत्र - 3

सामग्री : नुस्खे

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका विभिन्न पशु-पक्षी, फूल-फल आदि के चित्र या नाम लिखे नुस्खे (छात्रों की संख्या के अनुसार) एक बक्से में डाल रखती है।
- अध्यापिका सब छात्रों को गोलाकार में खड़ा करती है।
- छात्रों को निर्देश देती है–

  एक बक्सा मैं आपके हाथ में दे रही हूँ। आप बक्सा हस्तांतरण करते रहें। मैं सीटी बजाती रहूँगी। जब सीटी बजाना बंद करूँगी तब हस्तांतरण भी बंद करें। बक्सा जिसके पास है वह एक नुस्खा / चित्र ले। उसके बारे में एक वाक्य कहें।

- खेल ज़ारी रखती है।
- छात्र वाक्य बताते रहें।
- अध्यापिका संशोधन करके वाक्यों को दोहराएँ।
- छात्र वाक्यों का अर्थ भी समझ लें। (इसके लिए बीच-बीच में आवश्यक प्रश्न पूछती रहें।)
- अध्यापिका वाक्य श्यामपट पर लिखती रहें।
- अंत में श्यामपट पर लिखे वाक्य पढ़ने का मौका दें।
- श्यामपट के वाक्य लिख लेने का भी निर्देश छात्रों को दें।

❖

सत्र - 4

सामग्री : चार्ट, स्लैड़

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका ताल-लय के साथ शीघ्र गति में ये पंक्तियाँ सुनाती है। (दो बार)

> आता है वह जाता है
> आकर जाकर रहता है
> खाता है वह पीता है
> खाकर पीकर जीता है।

- छात्रों को सुनाने का निर्देश देती है।
- पूर्ण रूप से सुनाने में छात्र असमर्थ हैं तो अध्यापिका पंक्तियाँ दुहराती है।
- छात्रों को वैयक्तिक और दल में कविता सुनाने का अवसर देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  इसमें 'ता है' में अंत होनेवाले कितने शब्द हैं? अपनी पुस्तिका में लिखें।
- छात्रों को बताने का अवसर देती है।
- अध्यापिका शब्दों की चार्ट / स्लाइड प्रस्तुत करती है।
- सही उत्तर देनेवालों को तालियाँ देने को कहती है।
- अध्यापिका कहती है–
- 'आता है वह जाता है' में आनेवाला 'लड़का' है या 'लड़की'?
- छात्रों को प्रतिक्रिया करने का मौका देती है।
- सही उत्तर 'लड़का' कहने पर अध्यापिका कहती है–
- ठीक है, यदि 'लड़का' के स्थान पर 'लड़की' है तो हम कैसे गाएँगे?
- छात्रों को अपने-अपने विकल्प सुनाने का मौका देती है।
- बाद में अध्यापिका गाकर सुनाती है–

> आती है वह जाती है
> आकर जाकर रहती है
> खाती है वह पीती है
> खाकर पीकर जीती है

- छात्रों को वैयक्तिक या दलों में प्रस्तुत करने का अवसर देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  'लड़की' के स्थान पर 'लड़के' हों तो हम कैसे गाएँगे?
- छात्रों को कहने का मौका देती है।

- अध्यापिका सुनाती है–

> आते हैं वे जाते हैं
> आकर जाकर रहते हैं
> खाते हैं वे पीते हैं
> खाकर पीकर जीते हैं

- छात्रों को वैयक्तिक या दलों में प्रस्तुत करने का मौका देती है।
- अध्यापिका कहती है– यदि 'लड़के' के स्थान पर 'लड़कियाँ' हों तो कैसे गाएँगे?
- अध्यापिका स्लाईड / चार्ट दिखाते हुए सुनाती है–

> आती हैं वे जाती हैं
> आकर जाकर रहती हैं
> खाती हैं वे पीती हैं
> खाकर पीकर जीती हैं

- छात्रों को वैयक्तिक या दलों में प्रस्तुत करने का अवसर देती है।
- अध्यापिका स्वयं गाकर सुनाती है–

> आती हूँ मैं जाती हूँ
> आकर जाकर रहती हूँ
> खाती हूँ मैं पीती हूँ
> खाकर पीकर जीती हूँ

(अगर अध्यापक है तो गाएँ– आता हूँ मैं जाता हूँ / आकर जाकर रहता हूँ / खाता हूँ मैं पीता हूँ / खाकर पीकर जीता हूँ)

- एक लड़का और एक लड़की को कक्षा के सामने बुलाकर खड़ा करती है।
- दोनों को पंक्तियोंवाली अलग-अलग पर्ची देती है।
- दोनों को एक-एक पंक्ति करके गाकर सुनाने का मौका देती है–

लड़का	**लड़की**
आता हूँ मैं जाता हूँ आकर जाकर रहता हूँ खाता हूँ मैं पीता हूँ खाकर पीकर जीता हूँ	आती हूँ मैं जाती हूँ आकर जाकर रहती हूँ खाती हूँ मैं पीती हूँ खाकर पीकर जीती हूँ

- अध्यापिका कहती है–

    अगर 'मैं' के बदले 'तुम' हो तो यह गाना कैसा होगा?

- छात्रों को विकल्प लिखने का मौका देती है।
- दो-चार छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका देती है। (इसमें लड़के और लड़कियाँ हों)
- अध्यापिका लड़के और लड़कियों के दो दल बनाती है।
- दोनों को उचित पंक्तियों की एक-एक पर्ची देती है।
- दलों को इसी क्रम से प्रस्तुत करने का निर्देश देती है–

लड़कों का दल लड़कियों से

आती हो तुम जाती हो
आकर जाकर रहती हो

लड़कियों का दल लड़कों से

आती हैं हम जाती हैं
आकर जाकर रहती हैं

लड़कों का दल लड़कियों से

खाती हो तुम पीती हो
खाकर पीकर जीती हो

लड़कियों का दल लड़कों से

खाती हैं हम पीती हैं
खाकर पीकर जीती हैं।

- इसी प्रकार लड़कियों के दल को लड़कों से प्रश्न करने का मौका देती है–

लड़कियों का दल लड़कों से

आते हो तुम जाते हो
आकर जाकर जीते हो

लड़कों का दल लड़कियों से

आते हैं हम जाते हैं
आकर जाकर रहते हैं

लड़कियों का दल लड़कों से

खाते हो तुम पीते हो
खाकर पीकर जीते हो

लड़कों का दल लड़कियों से

खाते हैं हम पीते हैं
खाकर पीकर रहते हैं।

- अध्यापिका लड़कों और लड़कियों को आमने-सामने दो पंक्तियों में खड़ा करती है।

- एक-एक पर्ची दोनों को देती है–

लड़के	**लड़कियाँ**
आता हूँ मैं जाता हूँ	आती हूँ मैं जाती हूँ
आकर जाकर रहता हूँ	आकर जाकर रहती हूँ
खाता हूँ मैं पीता हूँ	खाती हूँ मैं पीती हूँ
खाकर पीकर जीता हूँ	खाकर पीकर जीती हूँ
आते हैं हम जाते हैं	आती हैं हम जाती हैं
आकर जाकर रहते हैं	आकर जाकर रहती हैं
खाते हैं हम पीते हैं	खाती हैं हम पीती हैं
खाकर पीकर जीते हैं	खाकर पीकर जीती हैं
आती हो तुम जाती हो	आते हो तुम जाते हो
आकर जाकर रहती हो	आकर जाकर रहते हो
खाती हो तुम पीती हो	खाते हो तुम पीते हो
खाकर पीकर जीती हो	खाकर पीकर जीते हो

- 'आता हूँ मैं जाता हूँ, आकर जाकर रहता हूँ/ आती हूँ मैं जाती हूँ, आकर जाकर रहती हूँ' सुनाते समय छात्र अभिनय के साथ एक-एक कदम आगे और एक-एक कदम पीछे रखें।
- 'खाता हूँ मैं पीता हूँ, खाकर पीकर जीता हूँ / खाती हूँ मैं पीती हूँ, खाकर पीकर जीती हूँ' सुनाते समय छात्र कदम रखने के साथ खाने पीने का इशारा भी करें।
- 'हम' वाली पंक्तियाँ सुनाते समय छात्र हाथ एक-दूसरे के कंधों में रखकर कदम रखें। खाने-पीने का इशारा करते समय एक हाथ दूसरे से मिलाएँ और दूसरे हाथ से इशारा दिखाएँ। इसी प्रकार 'तुम' वाली पंक्तियाँ आगे-पीछे कदम रखकर इशारा के साथ लड़के लड़कियों से और लड़कियाँ लड़कों से बारी-बारी से पूछें।
- अंत में छात्रों को गोलाकार में खड़ा करती है और सब एक-दूसरे से हाथ मिलाकर कदम आगे-पीछे रखते हुए अध्यापिका के साथ गाते रहें।

आते हैं हम जाते हैं
आते जाते रहते हैं
खाते हैं हम पीते हैं
खाते पीते जीते हैं।

सत्र - 5

सामग्री : नुस्खे, क्रयोण, चार्ट

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका पाँच-पाँच नुस्खों में बारी-बारी से जानवर, चिड़िया, फल, फूल, खिलौना आदि शब्द लिखती है। अगर छात्रों की संख्या 20 से ज़्यादा है तो छात्रों के हिसाब से नुस्खों की संख्या बढ़ाती है।
- नुस्खे एक कागज़ / प्लास्टिक बक्से में डालती है।
- बक्सा मेज़ पर रखती है।
- छात्रों को निर्देश देती है–

  हर छात्र एक-एक नुस्खा लें।
- मिले शब्द के अनुसार छात्रों के दल बनाती है।
- दल में अपने नुस्खे के अनुसार सब मिलकर कोई जानवर / कोई फूल / कोई फल / कोई चिड़िया और कोई खिलौना आदि का चित्र खींचने को कहती है।
- चित्रों को रंग देने का निर्देश देती है। (आवश्यक क्रयोण देती है)
- अपने-अपने चित्र के बारे में / के आधार पर अधिकाधिक वाक्य लिखने का निर्देश देती है।

  जैसे,

यह मेरा कुत्ता है।
इसका नाम टोमी है।
यह काला कुत्ता है।
यह प्यारा कुत्ता है।

यह सुंदर फूल है।
यह गुलाब का फूल है।
यह मेरे बगीचे का फूल है।
यह खुशबूदार फूल है।

- अध्यापिका कहती है–

  सब लोग अपने-अपने वाक्य प्रस्तुत करें।
- छात्र प्रस्तुत करते वक्त अध्यापिका श्यामपट पर लिखती है, साथ पढ़ती भी है।
- छात्रों के सामने आवश्यक सुधार करती है।
- छात्रों को वाक्य लिख लेने का निर्देश देती है।

❖

सत्र - 6

सामग्री : पेंसिल, चार्ट, क्रयोण

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका श्यामपट पर एक चौकोर (rectangle) खींचती

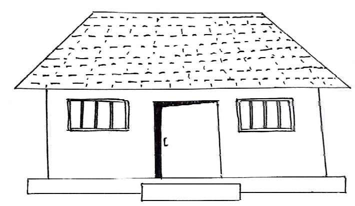

- छात्रों से पूछती है–

  मैं एक चित्र खींचने जा रही हूँ। यह किसका चित्र होगा? (छात्र अपनी मर्जी के अनुसार बताएँ।)

- अध्यापिका निम्न लिखित सोपानों से होकर चित्र की पूर्ति करती है। हर सोपान पर प्रश्न करती रहती है–

  यह क्या होगा?

- छात्रों की प्रतिक्रिया।

  देखें, यह क्या है। [इस प्रकार चित्र के अगले सोपान में जाती है और एक घर का चित्र खींचती है। (नमूना देख लें...)]

- अंत में अध्यापिका चित्र के नीचे लिखें–

  यह एक घर है।

- अध्यापिका छात्रों को कॉपी लेने का निर्देश देती है।
- कहती है–

  सब अपनी-अपनी पुस्तिका में घर का चित्र खींचें।

- खिंचे गए चित्रों को दिखाने का मौका छात्रों को देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  अपने घर के आस-पास क्या-क्या होंगे?

- कुछ छात्रों को कहने का मौका दें।
- अध्यापिका बीच-बीच में पूछती रहती है–

  → क्या आपके घर के पास पेड़ है?

  चित्र में पेड़ जोड़ें।

  → पेड़ में कोई फल हैं क्या?

  → कौन-से फल हैं? आम? सेब? कटहल?

  तो पेड़ में फल खींचें।

→ क्या आपके घर के आँगन में पौधे हैं?

तो उसे भी जोड़ें।

→ पौधों में फूल हैं क्या?

अब पौधों में फूल भी खींचें।

→ घर में कोई पालतू जानवर है? कोई चिड़िया है?

→ गाय? बिल्ली? कुत्ता? मुर्गी? तोता? कबूतर?...

उन्हें भी चित्र में जोड़ें।

- चाहते हैं तो रंग देने का निर्देश देती है। (आवश्यक क्रयोण छात्रों को देती है)
- अब चित्र के जानवर, चिड़िया, पेड़, पौधे आदि के नाम पुस्तिका में लिखवाती है।
- ज़रूरत पड़ने पर मदद देती है।
- अपने-अपने चित्र के आधार पर अधिकाधिक वाक्य लिखने का मौका देती है।

जैसे,

यह मेरा घर है।

यह मेरा सुंदर घर है।

मेरा घर छोटा है / बड़ा है।...

- छात्रों को वाक्य सुनाने का मौका देती है।
- दलों में परिमार्जन करने का अवसर प्रदान करती है।
- दलों में चार्ट और मार्कर देती है।
- प्रत्येक दल चार्ट पर घर के संबंध में वाक्य लिखता है।
- दल की ओर से प्रस्तुति कराती है।
- पूरी कक्षा के सामने दल की उपज का संशोधन करती है।

❖

सत्र - 7

सामग्री : चार्ट

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका 'लड़की' और 'लड़का' के बारे में बताने को कहती है।
- ये पदसूर्य एक-एक करके प्रस्तुत करती है-

पदसूर्य - 1

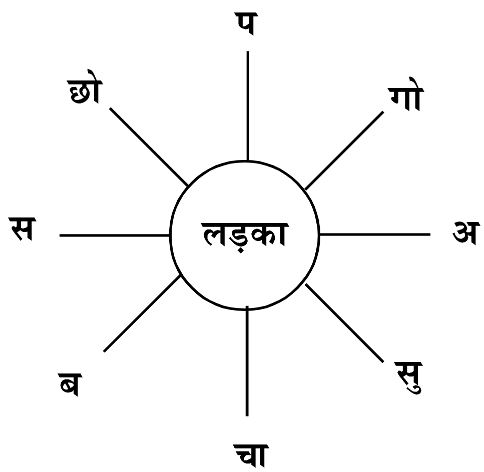

जैसे,
अच्छा लड़का

पदसूर्य - 2

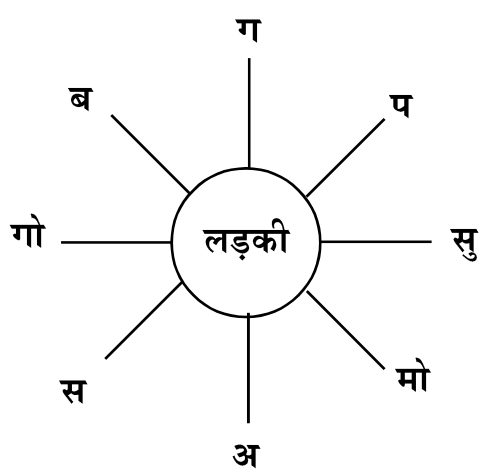

जैसे,
बड़ी लड़की

- पदसूर्य के वर्णों के सहारे 'लड़का' और 'लड़की' के विशेषण शब्द लिखने को कहती है।
- छात्रों के बताए शब्दों को श्यामपट पर लिखती है / टाईप करके दिखाती है।
- ज्यादा शब्द लिखनेवालों को पुरस्कार देती है।

❖

सत्र - 8

सामग्री : चित्र कार्ड, चित्र माला, नुस्खे

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका विभिन्न चित्रकार्ड बनाती हैं, जिनमें कुत्ता, तोता, कोयल, हाथी, बकरी और फूल के चित्र हैं।
- अध्यापिका चित्र कार्ड से एक-एक चित्र-माला तैयार करती है।
- एक-एक चित्र-माला एक-एक छात्र को पहनाती है और अलग-अलग जगहों में खड़ा करती है।
- बाकी छात्रों को छह दलों में बाँटती है।
- कक्षा के बीचों-बीच एक बक्सा रखती है जिनमें, भौं-भौं करता, हरा-हरा, कू-कू करती, मोटा-मोटा, में-में करती, रंग-बिरंगे आदि वाक्यांश पर्चियों में लिखे हों।
- प्रत्येक दल से एक-एक को बुलाकर बक्से में से एक-एक नुस्खा लेने को कहती है।
- मिले वाक्यांश ज़ोर से पढ़ने को कहती है।
- फिर वाक्यांश जिस चित्र-माला के अनुरूप है उसके पास जाने को कहती है।
- चित्र-माला वाले के पास जाकर वाक्य पूरा पढ़ने को कहती है–

  जैसे,

  भौं-भौं करता कुत्ता।
  हरा-हरा तोता
  कू-कू करती कोयल
  मोटा-मोटा हाथी
  में-में करती बकरी
  रंग-बिरंगे फूल

- हर दल अपनी-अपनी पंक्तियाँ ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें।
- अध्यापिका श्यामपट पर लिखते हुए ज़ोर से पढ़ती है।
- छात्रों को अपनी पुस्तिका में लिखने का निर्देश देती है।
- अंत में छात्र वैयक्तिक और दल में ताल-लय और हाव-भाव के साथ सुनाते हैं।

❖

<u>**सत्र - 9**</u>

सामग्री : चार्ट

<u>**प्रक्रियाएँ :**</u>

- अध्यापिका चार्ट पर / स्लाईड पर यह गीत प्रस्तुत करती है–

प्यारे-प्यारे पापा आए
मीठे-मीठे फल लाए
प्यारे-प्यारे पापा बोले
प्यारी मुन्नी जल्दी आओ

- अध्यापिका ताल-लय के साथ गीत गाती है साथ ही पंक्तियों के प्रत्येक शब्द को दिखाते रहती है।
- छात्रों को वैयक्तिक एवं दलों में गाकर सुनाने का अवसर देती है।
- छात्रों को कॉपी में लिखने का अवसर देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

मुन्नी के घर में और कौन-कौन होंगे?

- छात्रों की प्रतिक्रिया को श्यामपट पर सूचीबद्ध करती है।
- चर्चा के दौरान लिखे शब्दों से उचित शब्द-जोड़े बनाती है–

जैसे,

दादा-दादी
नाना-नानी
मामा-मामी
चाचा-चाची
भाई-बहन

- जोड़ों के आधार पर छात्रों को पाँच दलों में बाँटती है।
- सभी दलों को ऊपर के गीत के अनुसार नई पंक्तियाँ जोड़ने को कहती है-

जैसे,

प्यारी-प्यारी नानी आईं
मीठे-मीठे फल लाईं
प्यारी-प्यारी नानी बोलीं
प्यारी मुन्नी जल्दी आओ

/

प्यारा प्यारा भाई आया
मीठे मीठे फल लाया
प्यारा प्यारा भाई बोला
प्यारी मुन्नी जल्दी आओ

- सबको अपनी-अपनी पंक्तियाँ गाकर सुनाने का मौका देती है।
- अध्यापिका चार्ट पर / स्लाईड पर इस वंशवृक्ष का आरेख प्रस्तुत करती है–

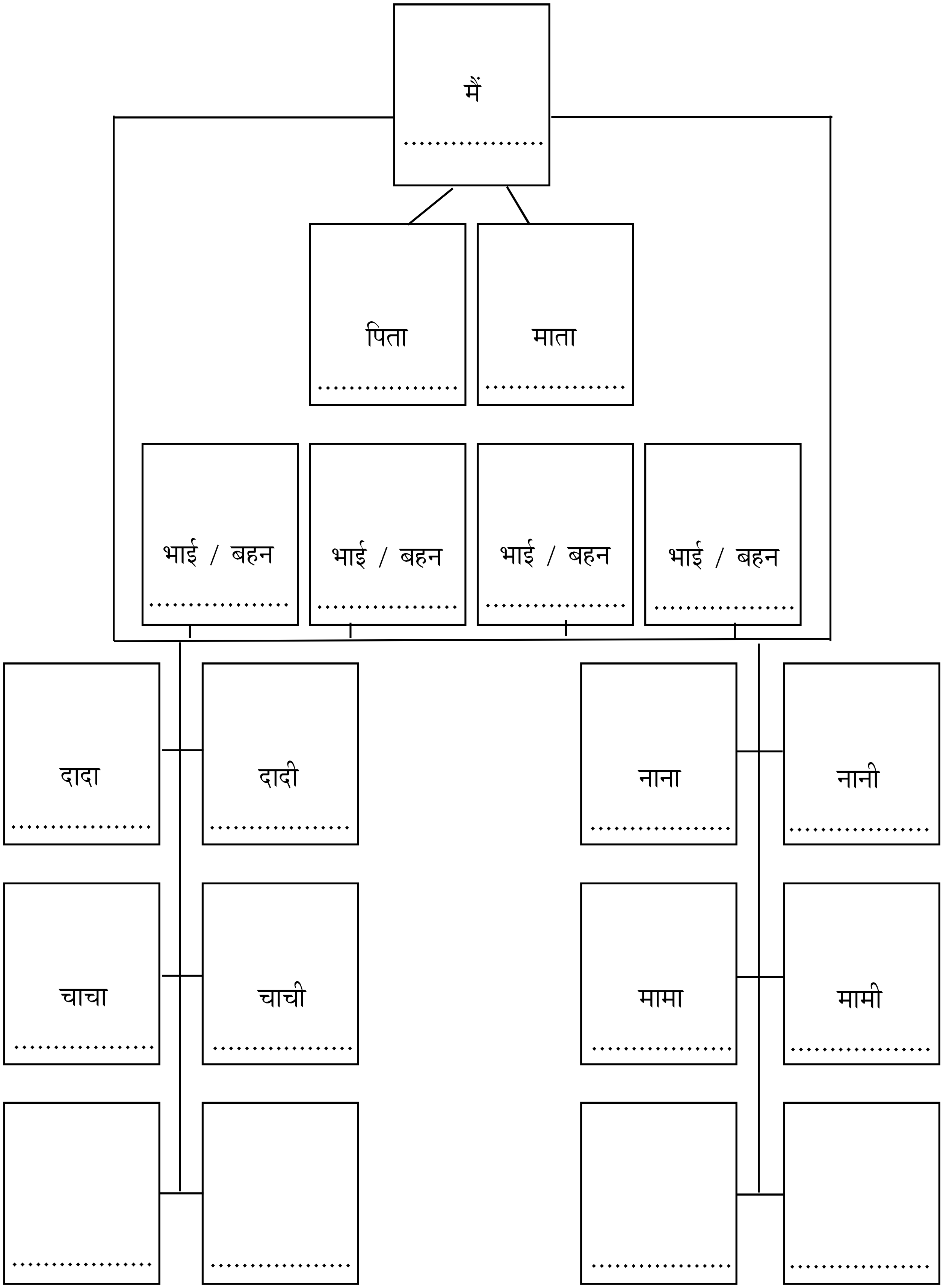

- अध्यापिका कहती है–

  आप अपनी पुस्तिका में यह आरेख खींचें और परिवारवालों के नाम उचित स्थान पर लिखें।

❖

सत्र - 10

सामग्री : कहानी का चार्ट

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका स्लाईड / चार्ट के द्वारा 'सब मिलके...' कहानी प्रस्तुत करती है। (कहानी अनुबंध में है)
- छात्रों को एक बार मौन रूप से पढ़ने का निर्देश देती है।
- छात्रों को चार दलों में बाँटती है।
- किसी एक दल में से एक छात्र को आगे आने का निर्देश देती है।(चार्ट/स्लैड़)
- कहानी का यह अंश पढ़ने का निर्देश देती है–

> एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।
> मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"

- उसी दल के बाकी छात्रों को मिलकर ऊपर का अंश एक साथ ज़ोर से पढ़ने का निर्देश देती है।
- दूसरे दल के एक लड़के को कहानी का यह अंश शुरू से फिर पढ़ने का निर्देश देती है–

> एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।
> मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"
> मछली ने गुस्से से लकड़ी दूर फेंकी। लकड़ी एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"

- उसी दल के बाकी छात्रों को मिलकर ऊपर का अंश एक साथ ज़ोर से पढ़ने का निर्देश देती है।

तीसरे दल के एक छात्र कहानी का यह भाग शुरु से पढ़ें।

> एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।
> मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"
> मछली ने गुस्से से लकड़ी दूर फेंकी। लकड़ी एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"
> मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े कर दिए और दूर फेंके। लकड़ी एक मछुआरे के ऊपर पड़ी। मछुआरे ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"

- उसी दल के बाकी छात्रों को मिलकर ऊपर का अंश एक साथ ज़ोर से पढ़ने का निर्देश देती है।
- चौथे दल के एक लड़के को कहानी का यह अंश शुरू से फिर पढ़ने का निर्देश देती है–

एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।
मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"
मछली ने गुस्से से लकड़ी दूर फेंकी। लकड़ी एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"
पाँचवें दल का लड़का :-
मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े कर दिए और दूर फेंके। लकड़ी एक मछुआरे के ऊपर पड़ी। मछुआरे ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"
मछुआरे ने मेंढक, मछली और लड़के को नाव पर बिठाया और सब ने मिलकर बकरी को बचाया। सब खुश हुए।
उस समय लड़के को खोजते-खोजते उसके पिता आए। सबको एक साथ देखकर पिता ने पूछा, "क्या हुआ?"

- उसी दल के बाकी छात्रों को मिलकर ऊपर का अंश एक साथ ज़ोर से पढ़ने का निर्देश देती है।
- चारों दलों को कहानी एक साथ शुरू से फिर पढ़ने का निर्देश देती है–

एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।
मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"
मछली ने गुस्से से लकड़ी दूर फेंकी। लकड़ी एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"
मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े कर दिए और दूर फेंके। लकड़ी एक मछुआरे के ऊपर पड़ी। मछुआरे ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"
मछुआरे ने मेंढक, मछली और लड़के को नाव पर बिठाया और सब ने मिलकर बकरी को बचाया। सब खुश हुए।
उस समय लड़के को खोजते-खोजते उसके पिता आए। सबको एक साथ देखकर पिता ने पूछा, "क्या हुआ?"
सब ने मिलकर कहा–
बकरी नदी में गिरी। लड़के ने पानी में लकड़ी फेंकी। लकड़ी मछली पर गिरी। मछली ने लकड़ी दूर फेंकी। वह एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े करके दूर फेंके। लकड़ी के टुकड़े मछुआरे पर पड़े। मछुआरा सबको नाव में लेकर बकरी के पास आया। सब ने मिलकर बकरी को बचाया।

- अध्यापिका यह प्रश्न-चार्ट टाँग देती है / स्लाईड प्रस्तुत करती है–

  → कौन-कौन पुल पार कर रहे थे?

→ बकरी को क्या हुआ?

→ लड़के ने क्या किया?

→ लकड़ी किसपर पड़ी?

→ मछली ने क्या पूछा?

→ मछली ने क्या किया?

→ फिर लकड़ी किसपर पड़ी?

→ मेंढक ने क्या पूछा?

→ मेंढक ने क्या किया?

→ लकड़ी के टुकड़े किसपर पड़े?

→ मछुआरे ने क्या पूछा?

→ मछुआरे ने क्या किया?

→ बकरी कैसे बच गई?

- अध्यापिका एक-एक करके प्रश्न करती है।
- छात्रों को उत्तर बताने का मौका देती है।
- छात्रों से उत्तर लिखने को कहती है। (छात्र उत्तर एक अनुच्छेद के रूप में लिखें)
- अब चुनिंदे छात्रों को पढ़ने का मौका देती है।
- कहानी को उचित शीर्षक बताने को कहती है।
- बताए शीर्षक श्यामपट पर सूचीबद्ध करती है।
- सूचीबद्ध शीर्षकों से बेहतर शीर्षक का चयन करने को कहती है।
- बेहतर शीर्षक बताए छात्र को पुरस्कार देती है।

❖

नोटः अनुबंध अगले पन्ने पर है।

अनुबंध

सब मिलके

एक लड़का और बकरी पुल पार कर रहे थे। अचानक बकरी नदी में गिरी। उसे बचाने के लिए लड़के ने एक लकड़ी पानी में डाल दी। लकड़ी एक मछली पर पड़ी।

मछली ने पूछा, "क्यों मुझे लकड़ी से मारा?"

मछली ने गुस्से से लकड़ी दूर फेंकी। लकड़ी एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"

मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े कर दिए और दूर फेंके। लकड़ी एक मछुआरे के ऊपर पड़ी। मछुआरे ने पूछा, "क्यों मुझपर लकड़ी फेंकी?"

मछुआरे ने मेंढक, मछली और लड़के को नाव पर बिठाया और सब ने मिलकर बकरी को बचाया। सब खुश हुए।

उस समय लड़के को खोजते-खोजते उसके पिता आए। सबको एक साथ देखकर पिता ने पूछा, "क्या हुआ?"

सब ने मिलकर कहा–

बकरी नदी में गिरी। लड़के ने पानी में लकड़ी फेंकी। लकड़ी मछली पर गिरी। मछली ने लकड़ी दूर फेंकी। वह एक मेंढक पर गिरी। मेंढक ने लकड़ी के दो टुकड़े करके दूर फेंके। लकड़ी के टुकड़े मछुआरे पर पड़े। मछुआरा सबको नाव में लेकर बकरी के पास आया। सब ने मिलकर बकरी को बचाया।

सत्र - 11

सामग्री : चार्ट / स्लाईड

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका यह खंड स्लाईड / चार्ट / श्यामपट पर प्रस्तुत करती है :

> मनीषा और महेश आज बड़ी खुशी में हैं। ओणम की छुट्टी मनाने के लिए मुंबई से मामा आएँगे। मामी भी आएँगी। वे रेलगाड़ी से आएँगे। मामा और मामी के साथ माया आएगी और मनु भी आएगा। मनीषा सोचती है कि इस बार हम सब मिलकर गाँव जाएँगे। गाँव में दादा-दादी हैं। उनके घर में झूला है। हम झूला झूलेंगे और सब मिलकर खुशी मनाएँगे।

- छात्रों को पढ़ने का अवसर देती है।
- एक बार पढ़कर सुनाती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  मनीषा और महेश बड़ी खुशी में हैं। क्यों?

  कौन-कौन मुंबई से आएँगे?
- अध्यापिका ये पंक्तियाँ ताल से प्रस्तुत करती है–

  मेरे मामा आएँगे,
  मुंबई से आएँगे,
  रेल से आएँगे,
  खुशी से आएँगे।
- छात्र मिलकर पंक्तियाँ गाते हैं।
- अध्यापिका कहती है–

  मुंबई से मामा आएँगे। मामी भी आएँगी।
- अध्यापिका पंक्तियों को आगे बढ़ाती है–

  मेरी मामी आएँगी।

  ....

  ....

  ....
- पंक्तियाँ जोड़ने का निर्देश देती है।

- छात्र मिलके गाते हैं।

  मेरी मामी आएँगी

  मुंबई से आएँगी

  रेल से आएँगी

  खुशी से आएँगी

- अध्यापिका कहती है–

  माया मुबई से आनेवाली है। यदि वह गाएगी तो कैसा होगा?

  जैसे,

  मैं आऊँगी।

  मुंबई से आऊँगी।

  ....

  ....

- बाकी पंक्तियाँ जोड़ने का निर्देश देती है।
- छात्र मिलकर गाते हैं।
- अध्यापिका कहती है–

  माया के बाद मनु गाएगा तो कैसा होगा? देखिए–

  जैसे,

  मैं आऊँगा।

  ....

  ....

  ....

- पंक्तियाँ जोड़ने का निर्देश देती है।
- छात्र एक साथ गाते हैं।
- अध्यापिका प्रश्न करती है–

  → कौन-कौन खुशी में हैं?

  → मामा कहाँ से आएँगे?

  → मामा के साथ कौन-कौन आएँगे?

  → गाँव में कौन-कौन हैं?

  → घर में क्या है?

- प्रश्नों के उत्तर बताने और लिखने का निर्देश देती है।
- अध्यापिका यह वर्कशीट देकर पूरा करने को कहती है–

मनीषा अपनी खुशी की बात माँ को सुनाती है–

जैसे,

मेरे मामा आएँगे।
मेरी मामी आएँगी।
वे मुंबई से आएँगे।
मनु ....
माया ....
मैं गाँव ....
हम गाँव ....
मैं झूला ....
तुम झूला ....
हम खुशी मनाएँगे।

- छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका देती है।
- अध्यापिका टीचरवेर्शन प्रस्तुत करती है।
- छात्रों को संशोधन करके अपनी पुस्तिका में लिखने का अवसर देती है।

❖

सत्र - 12 (बीरबहूटी)

सामग्री : चार्ट / स्लाईड

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका निम्न लिखित वस्तुओं के चित्र / स्लाईड को एक-एक करके दिखाती है–

लाल बीरबहूटी

पीला फूल

हरा पत्ता

नीली स्याही

- एक-एक दिखाते हुए पूछती है–

  यह क्या है?

  इसका रंग क्या है?

- छात्रों के कहने पर प्रत्येक रंग श्यामपट पर लिखती है–

  लाल

  पीला

  हरा

  नीला

- श्यामपट पर लिखे रंगों के आधार पर दल बनाती है।

अध्यापिका निम्न लिखित वार्तालाप का अंश कागज़ पर लिखकर **लाल** दल को दें।

लाल रंगवाले दल के लिए-

साहिल	: देखो बेला!
बेला	: क्या है?
साहिल	: बीरबहूटी।
बेला	: हाँ, कितनी प्यारी है!
साहिल	: हाँ, रक्त की तरह लाल।
बेला	: यह खेतों में बारिश के बाद आती है।

'लाल' दलवाले छात्रों को वार्तालाप के प्रस्तुत अंश हाव-भाव के साथ प्रस्तुत करने का अवसर दें।

प्रस्तुति के बाद अध्यापिका निम्न लिखित वाक्य कागज़ की अलग-अलग पर्चियों में लिखकर '**हरे**' दलवालों को दें। वे वाक्य पढ़कर सही या गलत बताएँ।

• बारिश का मौसम था।

• बीरबहूटी का रंग पीला है।

• गर्मी का मौसम था।

• बीरबहूटी का रंग लाल है।

• बेला और साहिल खेतों में बीरबहूटियों को खोजते हैं।

• बेला और साहिल खेती करते हैं।

अध्यापिका सही वाक्यों को दोहराकर श्यामपट पर लिखकर आशयों को जोड़ने का प्रयास करें।
पीले दलवालों के लिए-

बेला	: देखो साहिल!
साहिल	: क्या है?
बेला	: सरसों के फूल।
साहिल	: हाँ, बहुत सुंदर पीले फूल।
बेला	: साहिल देखो, स्कूल की घंटी बज रही है।
साहिल	: आओ, मुझे पैन में स्याही भरनी है।
बेला	: (दुकानदार से) भैया, एक पैन स्याही भर दो।
दुकानदार	: बेटा! स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है।

पीले दलवाले छात्रों को वार्तालाप के प्रस्तुत अंश हाव-भाव के साथ प्रस्तुत करने का अवसर दें। प्रस्तुति के बाद अध्यापिका निम्न लिखित वाक्य कागज़ की अलग-अलग पर्चियों में लिखकर **नीले** दलवालों को दें। वे वाक्य पढ़कर सही या गलत बताएँ।

सरसों के लाल फूल।
दुकान में स्याही थी।

सरसों के पीले फूल।

साहिल को स्याही नहीं मिली।

बेला और साहिल स्कूल के रास्ते में।

बेला और साहिल सच्चे मित्र हैं।

अध्यापिका सही वाक्यों को दोहराकर श्यामपट पर लिखकर आशयों को जोड़ने का प्रयास करें।
अब अध्यापिका यह अनुच्छेद प्रस्तुत करें-

साहिल और बेला सच्चे मित्र थे। दोनों साथ पढ़ते-खेलते थे। दोनों खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे। अब स्कूल का रिज़ल्ट आ गया। उनका स्कूल पाँचवीं तक ही था। दोनों अलग होनेवाले थे।

अध्यापिका पूछती है-

बेला और साहिल अब अलग होनेवाले हैं। उन दोनों के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी?

- छात्र दल में कल्पना करके वार्तालाप तैयार करें।
- प्रत्येक दल प्रस्तुतीकरण करें।
- आवश्यक मदद दें।
- संशोधन का कार्य भी करें।

❖

सत्र - 13 (सबसे बड़ा शो मैन)

सामग्री : चार्ट

प्रक्रियाएँ:

- चैप्लिन की किसी फिल्म का थोड़ा सा अंश छात्रों को दिखाती है। (संभावना है तो)
- चैप्लिन के चाल-चलन का अनुकरण छात्रों से करवाती है।
- अध्यापिका चार्ट / श्यामपट / स्लाईड पर यह अनुच्छेद प्रस्तुत करें।

> चार्ली चैप्लिन की माँ एक थिएटर में गीत गा रही थी। अचानक उसका गला खराब हो गया। दर्शक शोर मचाने लगे। माँ के बदले पाँच साल का चार्ली स्टेज पर आ गया। उसने एक अच्छा प्रदर्शन किया। दर्शक खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे।

- अनुच्छेद पढ़ने का मौका देती है।
- अध्यापिका थ, अ, ख, द, क, स, त, ब, ग, प आदि वर्ण श्यामपट पर लिखती है।
- अध्यापिका कहती है–

  उपर्युक्त वर्णों से शुरू होनेवाले शब्द अनुच्छेद से चुनकर लिखें।
- लिखित शब्दों को बताने का अवसर देती है।
- जो लिखने में असमर्थ है, उन्हें आवश्यक मदद देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  दर्शकों ने खड़े होकर क्यों तालियाँ बजाईं?
- प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- अनुच्छेद एक बार और पढ़ने का मौका देती है।
- पूछती है–

  → चैप्लिन की माँ कहाँ काम कर रही थी?

  → माँ को क्या हुआ?

  → दर्शक क्या करने लगे?

  → दर्शक क्यों शोर मचाने लगे?

  → माँ के बदले कौन स्टेज पर आया?

  → किसने अच्छा प्रदर्शन किया?

  → दर्शक खड़े होकर क्या करने लगे?

  → दर्शक क्यों तालियाँ बजाने लगे?
- प्रत्येक प्रश्न पर चर्चा चलाती है और छात्रों को उत्तर बताने का अवसर देती है।
- उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहती है।

- छात्रों के बताए उत्तर श्यामपट पर एक अनुच्छेद के रूप में लिखती है।
- लिखित खंड का वाचन छात्रों से कराती है।
- अध्यापिका छात्रों से पूछती है–

  चार्ली चैप्लिन के बारे में कुछ बताएँ।
- छात्रों के बताए उत्तर अध्यापिका वाक्य रूप में श्यामपट पर लिखती है।
- सबसे उचित चार वाक्यों पर एक, दो, तीन, चार नंबर लगाती है। उसी के अनुसार छात्रों के चार दल बनाती है।
- प्रस्तुत प्रसंग का रोलप्ले छात्रों से कराती है।(स्क्रिप्ट छात्र दल में तैयार करें, अध्यापिका आवश्यक मदद दें।)
- अन्य दलों को मूल्यांकन करने का निर्देश देती है। (प्रस्तुतीकरण, हाव-भाव, चाल-चलन आदि पर ध्यान देने को कहें।)

निम्न लिखित वाक्य अध्यापिका पर्चियों में लिखकर चार दलों को दें।

पाँच साल के बच्चे का कमाल, माँ की इज़्ज़त बच गई।

माँ के बदले छोटा बच्चा स्टेज पर।

छोटे बच्चे ने जीत लिया दर्शकों का मन।

माँ-बेटे के प्रदर्शन से दर्शक मंत्रमुग्ध।

दलवाले आपस में चर्चा करके एक वाक्य चुन लें और प्रस्तुतीकरण करें।

चार दलों से चर्चा और बहुमत के आधार पर एक वाक्य चुन लें, श्यामपट पर लिखें।

छात्र अपनी ओर से अनुच्छेद से संबंधित वाक्य बताएँ तो उनको भी लिखें और उनमें से एक चुनें। (चर्चा और बहुमत के आधार पर)

अध्यापिका पूछती है-

अब यह वाक्य हमारे अनुच्छेद के लिए शीर्षक हो सकता है क्या?

यह घटना कहाँ घटी होगी?

छात्रों को बताने का अवसर दें।

सबसे उचित स्थान चुन लें, श्यामपट पर लिखें।

प्रस्तुत अनुच्छेद को छात्र समाचार के रूप में बदलकर लिखें।(समाचार के दो-चार नमूने भी दिखाएँ) छात्र प्रस्तुतीकरण भी करें।

❖

सत्र - 14 (ठाकुर का कुआँ)

सामग्री : चार्ट, स्क्रिप्ट की प्रतिलिपियाँ

प्रक्रियाएँ:

अध्यापिका कहानी का यह सार चार्ट / स्लाईड / श्यामपट पर प्रस्तुत करती है।

जोखू प्यास से तड़प रहा था। वह पानी पीने जा रहा था। लेकिन पानी से बदबू आ रही थी। उसकी पत्नी गंगी सोचती है कि अब पानी कहाँ से लाएगी। गाँव में ठाकुर का कुआँ है। पर वहाँ से कोई पानी भरने नहीं देगा।

गंगी अपने बीमार पति के लिए पानी लेने रात में अकेले जाती है। वह भयभीत भी है। क्योंकि कोई देख ले तो हाथ-पाँव तोड़ देगा। वह चुपके से घड़ा कुएँ में डालती है। अचानक ठाकुर का दरवाज़ा खुल जाता है, वह रस्सी और घड़ा छोड़कर भाग निकलती है। घर पहुँचनेवाली गंगी देखती है कि जोखू वही गंदा पानी पी रहा है।

- छात्रों को वाचन करने का अवसर देती है।
- अध्यापिका पूछती है–
  - → कहानी का नाम क्या होगा?
  - → कहानी का नायक कौन है?
  - → नायिका का नाम क्या है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया अध्यापिका श्यामपट पर लिखती है।
- अध्यापिका एक वर्कशीट देती है–

सूचना : सही / गलत का निशान लगाएँ:

कहानी का नायक है जोखू।	☐
गंगी कहानी की नायिका है।	☐
यह गाँव की कहानी है।	☐
जोखू गरीब नहीं है।	☐
जोखू बीमार है।	☐
गाँव में शुद्ध पानी नहीं है।	☐
ठाकुर के कुएँ से सब पानी ले सकते हैं।	☐

- छात्रों को सही विकल्प बताने का मौका देती है।

- अध्यापिका पूछती है–
    - → कौन बीमार है?
    - → कौन प्यासा है?
    - → पानी में बदबू है या खुशबू?
    - → ठाकुर अपने कुएँ से सबको पानी भरने देगा या नहीं?
    - → गंगी रात में अकेले कहाँ जाती है?
    - → गंगी क्यों भयभीत थी?
    - → गंगी चुपके से घड़ा कहाँ डालती है?
    - → अचानक क्या हुआ?
    - → गंगी क्यों भाग गई?
    - → गंगी क्या छोड़कर भाग जाती है?
    - → घर पहुँचने पर गंगी ने क्या देखा?
    - → कौन गंदा पानी पी रहा है?
- अध्यापिका एक-एक प्रश्न पर चर्चा चलाती है।
- छात्रों को उत्तर लिखने का मौका देती है।
- दल में परिमार्जन का अवसर देती है।
- अध्यापिका पूछती है–

  इस कहानी की मुख्य समस्याएँ क्या-क्या हैं?
- छात्रों को प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- अध्यापिका श्यामपट पर विकल्प देती है–
    - जातिवाद की समस्या
    - ज़मींदारी की समस्या
    - गरीबी की समस्या
    - शहरी जीवन की समस्या
    - बीमारियों की समस्या
    - पानी की समस्या
- सही समस्याओं पर नंबंर लगाकर (1,2,3,4,5) श्यामपट पर लिखती है।
- समस्या के आधार पर छात्रों का दल विभाजन करती है।
- हर दल को स्किट का स्क्रिप्ट देती है– (अनुबंध - 1)
- दलों में आयोजन करके स्किट प्रस्तुत करने का मौका देती है। अध्यापिका आवश्यक मदद देती है।
- प्रस्तुति के समय दूसरे दलवाले मूल्यांकन करते हैं।
- बेहतरीन प्रस्तुति करनेवालों को चुन लेती है और आम सभा में स्किट की पुनः प्रस्तुति चलाती है।

❖

अनुबंध - 1
ठाकुर का कुआँ - स्किट

दृश्य 1

(रात का समय चारपाई पर जोखू बैठा है। गरीब है और रोगी भी। पत्नी गंगी घर का काम कर रही है। जोखू लोटे से पानी पीने लगता है। बदबू के कारण लोटा दूर रख देता है।)

जोखू : यह कैसा पानी है?

गंगी : क्या हुआ?

जोखू ; देखती नहीं? बदबू आती है।

गंगी : वह कैसे? मैं आज ही लाई हूँ। (लोटा मुँह से लगाती है)

जोखू : (कराहकर) गला सूख रहा है। तू सड़ा पानी पिलाती है।

गंगी : रोज़ इसी कुएँ से पानी भरती है। आज यह बदबू कैसे आई?

जोखू : कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा।

गंगी : अब क्या करूँ? मैं ठाकुर के कुएँ से पानी लाऊँगी।

जोखू : वहाँ से कौन पानी भरने देगा? मुझसे प्यास सहा नहीं जाती। मैं मर जाऊँगा।

दृश्य 2

(रात का समय। गंगी ठाकुर के कुएँ के पास पहुँचती है। गंगी धीरे-धीरे कुएँ की जगत पर पहुँचती है। वह घड़ा कुएँ में डालकर रस्सी खींचने लगती है। पानी का घड़ा हाथ में आनेवाला ही था कि ठाकुर की आवाज़ सुनाई देती है)

ठाकुर : कौन है? कौन है वहाँ?

(गंगी रस्सी और घड़ा छोड़ देती है और कूदकर भागने लगती है।)

दृश्य 3

(गंगी थकी हुई धीरे-धीरे घर के अंदर आती है। वह देखती है कि जोखू मैला गंदा पानी पी रहा है)

गंगी : हे भगवान! यह क्या हो रहा है?

(गंगी नीचे गिर जाती है)

❖

सत्र - 15 (यात्रा के बाद)

सामग्री : स्लाईड / चार्ट / नुस्खे

प्रक्रियाएँ :

- अनौपचारिक संवाद।
- अध्यापिका पूछती है–

  → सभी को यात्रा पसंद है न?

  → यात्रा के संबंध में हम क्या-क्या लिखेंगे?
- छात्रों को प्रतिक्रिया करने का मौका देती है।
- चर्चा इन मुद्दों की ओर चलाती है–

  यात्रा-वर्णन

  डायरी

  पत्र
- अध्यापिका निम्नलिखित संक्षिप्त यात्रा-वर्णन चार्ट / स्लाईड पर प्रस्तुत करती है–

> **जैसलमेर**
>
> हम लोग जयपुर से रात में चले थे, जैसलमेर के लिए। रास्ते में मशहूर सोनार किला देखा। यह एक मज़ेदार जगह है। यहाँ दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। फिर हम लोग रेगिस्तान देखने गए। यहाँ हमने ऊँट की सवारी की। दिवाली के दिन हम लोग भारत की आखिरी सीमा देखने गए। यह तो उल्लेखनीय है कि सीमा के दोनों तरफ़ एक ही दृश्य है।

- अध्यापिका प्रश्न करती है–

  → यात्री कहाँ से चले थे?

  → किस समय चले थे?

  → वे कहाँ जा रहे थे?

  → रास्ते में क्या देखा?

  → सोनार किले की विशेषता क्या है?

  → सोनार किला देखने के बाद यात्री कहाँ गए?

  → रेगिस्तान में उन्होंने किसपर सवारी की?

  → दिवाली के दिन वे कहाँ गए?

  → लेखक ने भारत की आखिरी सीमा के संबंध में क्या बताया है?
- प्रत्येक प्रश्न पर प्रतिक्रिया करने का मौका देते हुए चर्चा ज़ारी रखती है।
- अध्यापिका आवश्यक मदद देती है।

- अध्यापिका डायरी और पत्र से संबंध रखनेवाली इन बातों के नुस्खे बनाकर एक बक्से में रखती है-

दिनांक दिन	व्यक्ति स्वयं के लिए लिखता है।	जो बातें दूसरों से कहना नहीं चाहते, इसमें लिखते हैं।	आत्मनिष्ठ शैली।
लिखकर स्वयं रखता है।	20 मई 2000 रविवार	28 मई 2000 सोमवार	स्थान तारीख
प्रिय मित्र	प्रिय सहेली	लिखकर दूसरे को भेजता है।	आदरणीय माताजी
आपका प्रिय	तुम्हारी प्रिय		

- छात्रों को एक-एक नुस्खा लेने का निर्देश देती है।
- पढ़कर बताने को कहती है कि वह डायरी से संबंधित है या पत्र से।
- अध्यापिका डायरी और पत्र की विशेषताओं पर चर्चा चलाती है।
- दोनों की रूप-रेखा प्रस्तुत करती है।
- छात्रों से कहती है–

  जिनको डायरी से संबंध रखनेवाली बातें मिली हैं वे प्रस्तुत यात्रा-वर्णन डायरी के रूप में लिखें। (वैयक्तिक रूप से)

  जिनको पत्र से संबंधित नुस्खे मिले हैं वे प्रस्तुत यात्रा-वर्णन पत्र के रूप में पेश करें। (वैयक्तिक रूप से)
- छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका देती है।
- दलों में संशोधन कराती है। (आवश्यक मदद दें।)
- दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण कराती है।

❖

सत्र - 16 (बच्चे काम पर जा रहे हैं)

सामग्री : चार्ट, चित्र

प्रक्रियाएँ :

- अध्यापिका चार्ट / स्लाईड के ज़रिए चार चित्र दिखाती है–

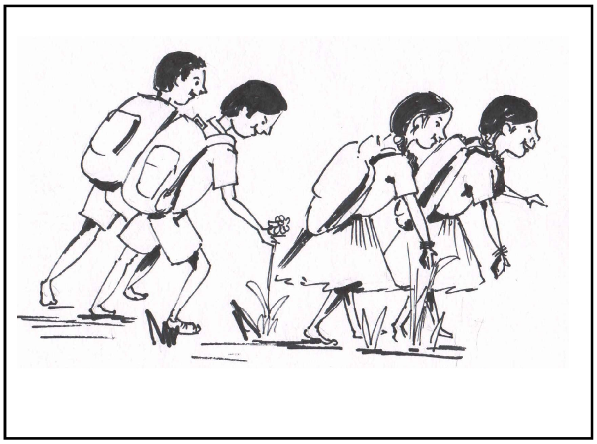

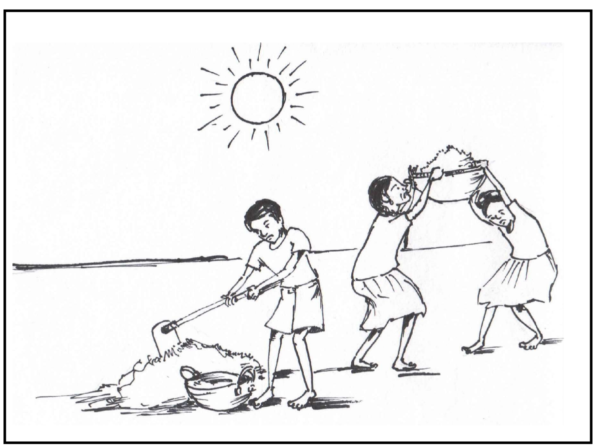

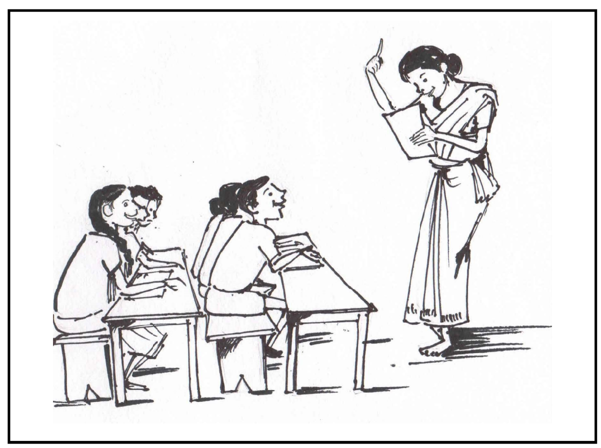

- अध्यापिका छात्रों को चार दलों में बाँटती है।
- प्रत्येक दल को एक-एक चित्र के बारे में लिखकर प्रस्तुत करने का मौका देती है।
- छात्रों की प्रस्तुति के बाद अध्यापिका यह खंड प्रस्तुत करती है।

  कुछ बच्चे सुबह-सुबह काम पर जा रहे हैं। क्या उनकी किताबों को दीमकों ने खा लिया है? क्या स्कूलों की इमारतें टूट पड़ी हैं? यह स्थिति भयानक है! लेकिन इससे भयानक यह है कि साधारण स्थिति में भी बच्चे काम पर जा रहे हैं।
- दो-तीन छात्रों से वाचन करवाती है।
- अध्यापिका भी पढ़कर सुनाती है।

- पूछती है–

  आप लोग सुबह-सुबह कहाँ जाएँगे?
- प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- काम पर जानेवालों का चित्र दिखाकर पूछती है–

  ये बच्चे कहाँ जा रहे हैं?
- प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- पूछती है–

  यह स्थिति अच्छी है या नहीं?
- छात्रों की प्रतिक्रिया का अवसर देती है।
- अध्यापिका छात्रों को दो दलों में बाँटती है।
- एक दल प्रश्न पूछें और दूसरे दल उसका उत्तर एक साथ दो बार बताएँ।

प्रश्न	**उत्तर**
तुम लोग कहाँ जा रहे हो?	हम काम पर जा रहे हैं हम काम पर जा रहे हैं।
क्या तुम्हारी किताबों को दीमकों ने खा लिया?	नहीं, नहीं! हमारी किताबों को दीमकों ने नहीं खा लिया है। (दो बार)
क्या तुम्हारी स्कूलों की इमारतें टूट पड़ी हैं?	नहीं! नहीं! हमारे स्कूलों की इमारतें नहीं टूट पड़ी हैं। (दो बार)
फिर भी तुम लोग काम पर जा रहे हो क्या?	हाँ, हाँ! हम लोग काम पर जा रहे हैं। हम लोग काम पर जा रहे हैं।

सब छत्र मिलकर ज़ोर से बताएँ–

हम बच्चे हैं। हम स्कूल जाएँगे। हम सब पढ़ेंगे।

❖